186. Sächsische Landes-Lotterie

17. Ziehung 5. Klasse am 23. März 1925.

Ohne Gewähr.

Alle Nummern, neben welchen kein Gewinn steht, sind mit 100 M gezogen worden.

10 000 auf Nr. 28109 bei Herrn Gustav Nachme in Löbau i. Sa. und Adolf Müller & Co. in Leipzig.
10 000 auf Nr. 40280 bei Herrn Friedrich Kaiser in Werdau i. Sa.
10 000 auf Nr. 109230 bei Herrn H. G. F. Fischer Nachf. in Leipzig.
5 000 auf Nr. 4416 b. Herrn Hermann Straube i. Leipzig.
5 000 auf Nr. 7011 bei Herrn Adolph Hessel in Dresden.
5 000 auf Nr. 41625 bei Herrn Rudolph Tantel in Chemnitz i. Sa.
5 000 auf Nr. 64880 bei Herren H. G. F. Fischer Nachf. in Leipzig und Max Oswald Fischer in Leipzig-Reudnitz/Eld.

Nr. 564 684 264 70 461 829 25 (200) 824 158 763 561541 3 1222 510 (200) 925 529 945 998 175 447 6 19 877 227 7 436 (300) 480 27732 517 687 608 v39 (200) 121 270 998 14 211 89 158 481 755 867 80 986 123 143 86 4 (2000) 589 675 444 862 182 705 500 617 645 700 827 826 130 272 152 888 726 416 280 835 (2000) 887 (200) 4088 582 408 660 (200) 480 769 520 18 (200) 288 (2000) 52 50 (200) 467 585 862 761 800 55 898 890 638 615 419 (5000) 81 186 967 570s 90o 888 807 (300) 941 (200) 184 264 84 174 497 180 859 415 261 961 410 6334 822 587 433 518 654 808 461 897 802 702 (300) 954 221 233 337 7655 448 320 660 356 132 225 86 682 816 956 437 (200) 840 (200) 745 8 219 90009 778 197 908 (200) 550 771 248 (200) 268 436 578 111 723 (1000) 725 280 37 845 515 306 969 99442 687 365 178 (200) 777 486 288 (200) 275 976 987 839 259 865 840 (200) 175

10875 557 861 893 831 127 629 880 13 827 (200) 311 (500) 895 789 454 11946 179 544 718 77 527 644 442 (200) 666 210 383 890 575 82 862 121 750 12795 687 534 455 691 978 175 559 (1000) 867 964 608 818 782 66 884 999 142 705 216 585 96 15074 974 256 93 590 976 157 958 305 278 492 894 641 14416 (800) 932 553 283 46 (200) 578 988 420 772 175 455 677 299 (200) 645 168 125 595 15008 780 (200) 32 (200) 932 899 (300) 290 873 780 456 294 948 526 541 856 768 700 (200) 840 917 23 629 185 445 16892 904 586 349 147 515 250 800 (300) 428 900 298 (300) 287 35 625 678 108 854 17977 368 816 773 995 858 798 870 841 259 717 512 930 745 102 694 40 815 (200) 823 620 967 731 630 326 18453 100 856 400 752 583 903 246 424 881 180 648 615 490 379 950 256 807 19472 (300) 108 240 882 485 507 813 458 461 67 711 887 856 147 172 808 (800)

20991 803 (300) 221 181 (200) 867 414 810 185 708 98 698 844 562 (800) 980 184 977 28 21515 895 950 845 784 80 848 946 401 231 245 324 22474 145 271 422 488 888 986 (500) 80 142 659 585 148 980 811 806 23896 800 22 (300) 570 w00 434 163 548 172 759 205 8 24579 546 651 469 822 (200) 269 726 810 180 748 920 742 25878 798 409 172 795 958 290 751 043 704 441 169 1 501 666 97 26493 504 927 17 448 499 419 883 98 556 985 (200) 681 498 (200) 211 700 (1000) 246 860 218 947 892 27586 784 931 480 725 151 544 957 488 988 840 400 235 148 224 11 (5000) 868 185 817 494 615 28109 (10000) 82 540 827 (200) 938 235 271 594 107 781 986 787 148 530 (500) 874 142 917 521 870 458 620 941 86 430 447 994 29882 922 620 215 188 251 (200) 847 276 787 259 170 419 264 966 226 226 200 871 816 755 21

30647 691 987 243 512 892 (800) 500 820 855 556 627 (200) 59 150 854 727 288 254 (200) 889 178 748 80 31178 (200) 582 57 897 110 844 727 158 620 810 507 882 987 (200) 501 658 461 551 82 122 (200) 907 258 32223 415 (200) 290 98 71 875 (300) 245 128 489 513 663 850 967 594 33898 518 661 778 867 (200) 56 402 567 782 848 655 877 34816 (200) 788 889 629 487 64 642 565 860 499 498 147 496 160 (300) 32 35491 788 849 (200) 788 455 985 484 (300) 691 (200) 561 84 404 574 278 134 183 636 881 65 368 342 801 36821 651 740 662 704 178 916 215 796 484 989 856 721 278 250 188 189 822 880 37875 61 269 892 14 840 76 91 479 38 213 58 509 878 699 20 38249 904 (200) 655 578 72 721 742 669 768 264 650 481 (800) 913 461 809 974 861 39429 353 653 822 386 486 820 710 741 400 788 551 509

40984 759 429 81 (200) 971 660 356 318 457 311 849 17 708 617 (200) 149 352 694 250 (1000) 41164 26 885 655 804 216 715 (200) 15 525 (5000) 357 887 (200) 896 (200) 792 785 48 (200) 403 354 645 989 42988 850 410 96 482 852 962 453 646 757 788 776 52 509 226 240 712 43088 585 134 761 83 245 729 996 (200) 398 807 44686 154 287 148 517 668 (200) 97 860 453 122 781 746 45542 842 8 287 640 419 10 620 687 228 920 (200) 464 595 415 913 589 46217 512 180 (200) 849 188 948 136 811 449 766 685 574 188 785 47647 303 122 858 638 5 589 416 71 858 726 152 20 298 48527 897 721 (200) 365 870 466 101 868 720 487 (200) 468 792 845 607 778 884 600 781 316 8 49428 967 85 85 482 20 719 68 308 828 221

50984 148 224 388 624 642 958 781 862 508 581 842 (200) 147 665 100 754 574 447 275 427 969 185 51780 11 487 152 (500) 898 810 277 955 259 897 603 191 52166 751 681 888 172 35 244 (200) 656 (200) 205 797 885 481 294 569 696 (200) 276 488 148 978 884 780 185 852 53582 768 205 509 781 128 (200) 99 54435 (200) 886 492 419 211 574 486 652 657 100 984 508 386 788 158 (200) 895 691 573 489 181 604 761 200) 55765 248 449 68 758 888 697 446 896 328 (800) 868 56269 29 (2000) 285 (800) 951 152 504 (200) 261 864 849 887 122 (200) 714 712 815 479 182 856 649 818 147 80 16 (200) 600 885 (4000) 276 488 574 57218 818 (200) 168 388 965 (800) 464 536 (200) 273 843 177 707 (200) 595 (200) 167 (200) 264 (200) 886 409 58002 97 272 404 184 861 (200) 860 688 185 87 148 272 517 18 812 59984 952 80 398 596 (200) 805 518 710 60 704 847 906 475 644 511 (500) 861 209 894 9 730 966 622 994 104 884 618 194

60464 412 508 645 807 840 720 285 608 564 167 4 498 178 (200) 518 61204 820 (800) 559 447 606 138 995 622 732 86 1000) 223 711 (200) 118 84 950 442 476 458 874 860 478 800 (200) 62808 688 700 215 441 644 (200) 844 19 684 299 867 63227 866 324 899 589 (800) 520 10 802 (300) 505 (200) 658 65 (200) 327 740 587 832 (200) 418 107 64429 828 712 158 177 98 592 215 654 990 288 72 149 525 152 296 667 418 520 680 (5000) 655 60 806 871 589 986 (800) 757 184 826 59 785 (200) 358 529 486 296 927 66488 482 148 586 64 422 196 17 (200) 955 55 210 106 810 388 514 67508 151 5 2 248 (300) 696 384 161 711 760 (200) 400 878 68840 (2000) 714 783 923 70 338 704 278 568 540 745 21 78 318 (500) 443 747 289 69158 940 185 205 28 562 758 134 657 684 802 165 270 (500) 499 836

70908 886 188 49 689 595 805 708 919 48 783 586 15 798 790 408 (200) 941 561 232 216 54 182 71050 823 856 497 980 896 817 38 387 (200) 696 72868 297 868 878 509 273 868 454 812 816 672 298 182 401 843 434 984 73210 (800) 828 91 842 (200) 556 915 976 16 599 931 680 864 807 74 984 74443 366 286 878 328 79 887 846 (200) 612 421 101 886 640 450 189 521 971 195 (200) 75452 599 585 875 41 (200) 195 187 666 845 854 562 881 439 945 501 276 76661 51 865 40 747 856 905 899 587 970 462 651 567 782 626 417 424 48 91 478 77694 10 189 726 810 880 814 64 709 139 785 684 859 (300) 576 762 571 628 76 920 777 78026 948 914 68 714 803 734 (200) 757 492 481 824 918 257 883 717 (1000) 321 828 79895 94 817 208 616 764 48 812 886 979 (200) 488 718 862 890 653

80841 925 620 (200) 16 78 861 456 550 549 24 780 387 765 (200) 858 778 289 (2000) 848 81869 420 731 678 (200) 760 604 (200) 899 29 122 706 868 288 690 688 616 82840 222 272 504 4 499 827 967 725 640 170 219 835 (200) 681 581 (2000) 623 83918 885 180 269 852 324 751 198 (1000) 606 752 80 772 868 768 84586 889 995 286 (200) 245 779 58 (200) 668 866 680 746 880 880 816 109 859 (200) 85869 149 419 604 157 687 (200) 55 194 851 691 592 811 107 204 844 188 86755 (200) 112 259 725 880 157 550 (200) 364 461 816 884 294 761 407 87446 718 662 764 1 684 781 410 109 329 622 972 668 861 (200) 88725 (1000) 583 892 587 418 668 449 (200) 561 78 841 875 428 887 (200) 986 89866 593 614 928 157 265 857 474 543 702 (300) 986 28 400 80 905 8 584 764 924 850 218

90783 91 815 79 255 458 616 498 922 277 78 110 450 859 706 149 100 91123 507 967 484 413 (300) 185 852 607 490 688 808 190 80 843 635 59 78 690 178 141 801 172 82 92215 862 99 195 824 26 998 48 139 694 758 687 93907 (2000) 802 991 565 124 409 (200) 888 190 445 342 209 760 105 978 94780 891 (200) 834 (200) 795 850 (300) 865 870 801 845 851 285 24 228 486 82 772 95614 (200) 916 58 754 (200) 567 867 956 847 145 874 587 784 966 96025 240 759 209 349 256 708 967 408 278 701 871 849 667 614 97595 625 847 549 (200) 941 45 937 434 50 28 657 481 185 666 493 186 290 89 851 95 992 98468 595 758 583 606 (200) 294 775 468 607 (200) 101 (200) 35 444 767 875 636 99012 459 607 203 858 518 177 754 814 567 (200) 555 79 943 564 498 675 815 578 663 100 446 925 862

100220 201 420 448 639 880 922 80 604 168 107 429 856 (200) 58 524 895 674 441 (200) 971 885 101689 81 878 816 117 298 844 413 559 684 407 (1000) 448 151 189 110 571 (200) 176 889 446 102012 142 159 834 289 860 150 549 661 720 308 435 832 459 865 (300) 216 103729 71 891 (200) 849 270 807 879 650 47 856 (200) 834 924 528 208 39 280 608 619 718 169 580 2 104934 291 8 849 143 162 881 783 292 236 488 223 105014 549 186 150 7 (800) 819 607 484 265 (200) 177 641 50 198 (200) 106708 81 218 215 859 668 407 (800) 422 571 (200) 911 881 102 107501 187 475 26 588 169 (200) 554 981 (800) 620 781 (200) 713 120 462 239 773 108844 925 644 (1000) 740 78 (800) 849 861 783 611 984 848 921 (200) 926 98 978 109107 (200) 863 250 (10000) 976 450 609 677 842 (200) 467 613 (200) 638 801 978 907 58 402

110898 197 850 195 632 279 615 672 781 (200) 886 842 351 761 817 680 845 111329 294 687 (200) 49 185 981 (2000) 968 89 684 (200) 448 498 147 178 905 889 881 89 685 458 550 198 681 462 89 841 112858 127 147 778 (200) 555 952 708 201 (200) 138 993 (800) 146 984 505 113562 574 183 250 987 620 330 989 150 652 114959 296 545 412 640 483 801 598 (200) 658 539 860 224 (200) 80 68 598 283 541 718 634 56 87 788 289 286 115554 85 887 914 862 575 185 59 681 (200) 705 602 918 722 808 708 917 116066 492 60 218 289 173 988 300 576 118 189 630 117885 178 762 830 984 262 98 420 141 867 951 118290 888 889 744 849 270 24 8 632 762 (500) 184 (1000) 681 (200) 573 224 462 119356 499 857 410 928 831 991 574 400 296 138 188 76 890 865

Im Glücksstade verbleiben nach heute beendigter Ziehung an größeren Gewinnen:
1 Prämie zu 250000, 1 Gewinn zu 150000, 1 zu 10000, 7 zu 3000, 5 zu 2000, 8 zu 1000.

Oeffentliche Wahlversammlung.

Dienstag, den 24. März, abends 8 Uhr, sprechen im Saale des **Elysium**, Elisenstr. 72
Fräulein Landtagsabgeordnete Dr. **Hertwig**-Dresden — Fräulein **Katharina Hertwig**-Leipzig
zur Reichspräsidentenkandidatur Dr. Jarres.
Nicht nur alle Frauen Leipzigs, sondern auch die Männer sind eingeladen.
Reichsblock: Wahlausschuß Leipzig.

Fabrik- und Muster-Lager: Leipzig, Lange Straße 7, Max Mykowsky. Telephon 24711.

Wozu muss die Hausfrau sich so quälen, dutzenderlei Sachen kaufen und richten, um sich eine Suppe zu machen? Das hat sie viel bequemer, wenn sie:

Knorr-Suppenwurst

verwendet.

1 Stück = 6 Teller = 35 Pfg.
Blumenkohl, Grünkern, Krebs, Ochsenschwanz, Pilz, Tomaten, Spargel.

Die Frau im Hermelin

15] Kriminalroman von **E. R. Punchon**

(Nachdruck verboten.)

Die Dienerin machte die Tür sorgfältig zu und stand einen Augenblick schweigend da. In ihrem Blick lag, so schien es Harold, so etwas wie Furcht, und doch auch wieder Trotz, der fast wie eine Drohung anmutete.

„Mylady," sagte sie, „ist die ganze Nacht aufgewesen. Wenn Mylord mir andeuten würden, welcher Art die wichtige Angelegenheit ist, in der Sie Mylady zu sprechen wünschen, so könnte ich es Mylady mitteilen und Mylady fragen, ob sie zu sprechen ist."

„Sie wissen genau, daß ich nicht „Mylord" bin," sagte Harold scharf. „Sagen Sie einfach Ihrer Herrin, daß ich sie zu sprechen wünsche; sie wird wahrscheinlich erraten, weshalb."

„Zweifellos, Monsieur," sagte die Zofe und machte wiederum einen tiefen Knix. „Aber ich habe wirklich Angst davor, Mylady zu stören. Mylady hat wie ich weiß, und wie das gesamte Personal weiß, ihren Vater seit vierundzwanzig Stunden nicht verlassen." Sie sah ihn scharf an, während sie dies sagte. „Mylady hat tatsächlich während all dieser Zeit die Augen kaum geschlossen. Mylord werden begreifen, daß ich es nicht wage, Mylady zu stören."

„Nennen Sie mich doch nicht immer Mylord!" rief Harold ärgerlich und nervös.

Seine Nervosität hatte ihren besonderen Grund! Er verstand sehr gut, daß was diese Frau soeben gesagt hatte, eine Art von Antwort auf seine noch unausgesprochene Anschuldigung war!

Damit kam ein neuer rätselhafter Faden in das Gewebe eine neue Figur auf das Schachbrett; diese Frau, die sich Lady Isobels Zofe nannte. Erstens wußte sie offenbar von seinem gestrigen Besuch in der Tite-Straße, und zweitens schien Lady Isobel Beweise dafür liefern zu wollen, daß sie in der fraglichen Zeit am Krankenbett ihres Vaters weilte und nicht in der Bar in der Tite-Straße!

Er verstand ferner, daß diese Beweise Eindruck machen würden, denn ihnen widersprach nur seine eigene Behauptung, Lady Isobel hinter der Bar gesehen zu haben, und er konnte nicht gut erwarten, daß andere Leute ihm ohne weiteres Glauben schenken würden; hatte er doch tatsächlich Lady Isobel nur einen Augenblick lang durch eine geöffnete Tür hindurch gesehen. Er selbst war freilich seiner Sache vollkommen sicher; wenn es sich um Lady Isobel handelte, irrte er sich nicht; aber er konnte anderen Leuten nicht zumuten, ihm das aufs Wort zu glauben.

Trotzdem blieb er fest bei seinem Entschluß, Lady Isobel auf irgendeine Art und Weise zu einer Aussprache, zu einer Erklärung zu zwingen. Vor allem war er sich vollkommen klar darüber, daß er mit dieser neuen Figur auf dem Schachbrett ernsthaft zu rechnen hatte — mit der Frau hier, die mit jedem Augenblick einen abstoßenderen Eindruck auf ihn machte.

„Wie heißen Sie?" fragte er kurz.

„Man nennt mich Celestine."

Harold zog seine Börse und legte eine Fünfpfundnote auf den Tisch. Celestines Augen glitzerten, sie nahm ohne weiteres das Geld und glitt aus dem Zimmer. In wenigen Minuten kam sie zurück.

„Ah — ich habe mein Möglichstes getan," sagte sie mit einem entschuldigenden Achselzucken. „Was soll ich machen? Mylady ist müde. Mylord ist endlich eingeschlafen. Mylady wird nicht kommen!"

Aber sie konnte den boshaften Ausdruck in ihren Augen nicht ganz unterdrücken, und Harold begriff, daß sie während der ganzen Unterredung genau gewußt und selbst gewünscht hatte, daß ihre Herrin ihn nicht empfangen würde.

Er dachte nach. Dann schrieb er einige Worte auf eine Visitenkarte, nahm von dem zierlichen Damenschreibtisch einen Briefumschlag, steckte die Karte hinein, verschloß den Umschlag sorgfältig und überschrieb ihn an Lady Isobel.

„Bringen Sie dies Ihrer Herrin," sagte er. „Ich werde zehn Minuten auf Antwort warten."

Celestine sah ihn zweifelnd an (sie begann anscheinend ängstlich zu werden) und ging langsamen Schrittes hinaus. Da stieg ein plötzlicher Verdacht in Harold auf — er schritt rasch zur Türe, riß sie auf, und, wirklich, im Korridor, kaum einige Schritte entfernt, stand Celestine, in der Hand das erbrochene Kuvert, eben dabei, seine Karte in aller Ruhe zu lesen!

Als sie die Türe öffnen hörte und ihn kommen sah, schrak sie zusammen, schrie leise auf und lief davon, so schnell ihre Füße sie tragen konnten. Harold hatte gute Lust, ihr nachzueilen, sagte sich aber, daß dies würdelos sein und keinen Zweck haben würde. Selbstbeherrschung war ihm nötig! So ging er wieder in das Boudoir zurück und wartete, mit der Uhr in der Hand, fest entschlossen, keine Sekunde länger zu warten als die von ihm angegebenen zehn Minuten.

Kaum fünf Minuten jedoch waren vergangen als die Türe geöffnet wurde und Isobel selbst eintrat. Sie war sehr bleich, sah müde und gebeugt aus und schien sich nur mit Mühe aufrecht halten zu können. In ihren wundervollen Augen lag solche Furcht, ein so unsäglicher Kummer, daß Harold sich brutal vorkam.

Etwas unbeschreiblich Zartes, Frauenhaftes im besten Sinn, umschwebte ihre ganze Persönlichkeit und doch zeigten das Kinn und die Mundlinie charakteristische starke Züge. Man konnte sehen, daß unter der anscheinenden Weichheit gewaltige Willensstärke sich verbarg, so, wie zarte Frühlingsblumen stark genug sind, sich durch hart gefrorene winterliche Erde ans Licht zu bohren! Aber Harold stählte sich gegen den starken Eindruck, den ihr Wesen auf ihn machte.

„So!" sagte er. „Ich dachte mir, daß dies Sie herbringen würde."

„Daß was mich herbringen würde?" fragte sie erstaunt, den Kopf stolz zurückwerfend.

„Nun, was ich auf die Karte schrieb, die Ihnen die Zofe gab."

„Celestine hat mir nichts gegeben," sagte sie, ein wenig erschrocken. „Was schrieben Sie mir?"

„Ich schrieb, daß, wenn Sie nicht kommen würden, ich zur Polizei ginge."

Sie stand da wie versteinert.

„Was sagen Sie? Was erdreisten Sie sich?" rief sie dann in tiefer Entrüstung. Sie schritt rasch zu dem Ecktischchen und legte ihre Hand auf die Glocke. „Verlassen Sie das Zimmer, bitte!"

„Jawohl. Um zur Polizei zu gehen!"

Ihre Augen sprühten. Nur, weil er selbst so aufgeregt, so entrüstet war, konnte er ihren Blick aushalten.

„Zur Polizei?" wiederholte sie. Sein tiefer Ernst schien Eindruck auf sie zu machen. „Ich verstehe nicht. Weshalb zur Polizei?"

Da stieg eine ungeheuerliche Wut in ihm auf über ihr kaltblütiges Versteckenspielen, ihr Nichtverstehenwollen. Er streckte die Hand gegen sie aus und rief mit lauter Stimme:

„Ja. Ich gehe zur Polizei. Um Sie anzuklagen — Sie — verstehen Sie mich?"

Zwei Menschen.

Lady Isobel wollte das Zimmer verlassen. Aber aus Harolds zorniger Stimme klang etwas so Tiefes, etwas so Tragisches, etwas so Wahrhaftes, daß sie stehen blieb und ihm ins Auge sah. Sie wollte empört und hochmütig sein in ihrem beleidigten Stolz, doch als sie ihn ansah, kam es über sie wie Mitleid mit einem Menschen, dessen Tun unbegreiflich ist. Trotzdem — sie richtete sich majestätisch auf . . .

(Fortsetzung folgt.)

SLUB
Wir führen Wissen.